8:37
gdcollegebegusarai.com/cou

1. Pattern of Rural Settlements

B.A. Part- III, Paper- VI (Human Geography), Unit- 4
B.A. Part- II(Sub), Paper- II(A), Unit- 4

Dr. Rina Kumari
Assistant Professor (GT), Department of Geography, G.D. College, Begusarai

Dr. Rina Kumari

ग्रामीण बस्तियों के प्रतिरूप
(Pattern of Rural Settlements)

- **ग्रामीण बस्तियों के प्रकार (Types)** - मकानों की संख्या एवं उन मकानों के बीच पारस्परिक दूरी के आधार पर सुनिश्चित होता है।
- **ग्रामीण बस्तियों के प्रतिरूप (Patterns)** - बसाव की आकृति एवं स्वरूप होता है।

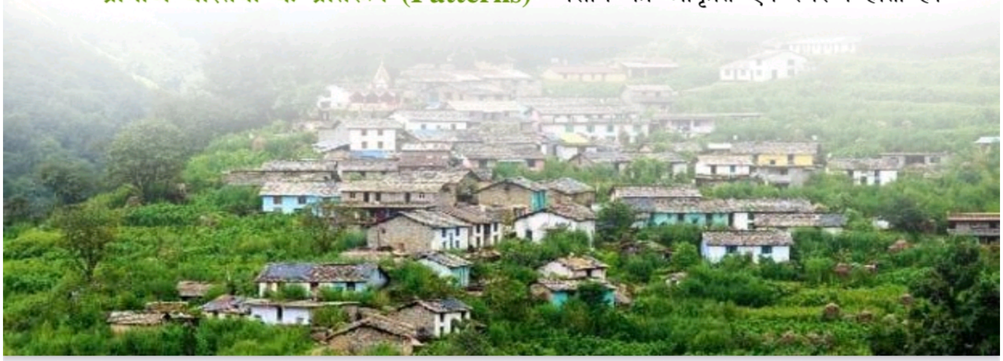

Dr. Rina Kumari

- ग्रामीण बस्तियों की संरचना से तात्पर्य उसके अवयव संघटन (anatomy) से होता है, जो स्थानीय भौतिक रचना, सामाजिक, आर्थिक, प्राकृतिक तथा ऐतिहासिक प्रवृत्तियों से प्रभावित होता है।
- ग्रामीण बस्तियों के प्रतिरूप को इनके मकानों तथा मकानों के बीच मार्गों की

8:37
gdcollegebegusarai.com/cou

Dr. Rina Kumari

- ग्रामीण बस्तियों की संरचना से तात्पर्य उसके अवयव संघटन (anatomy) से होता है, जो स्थानीय भौतिक रचना, सामाजिक, आर्थिक, प्राकृतिक तथा ऐतिहासिक प्रवृत्तियों से प्रभावित होता है।
- ग्रामीण बस्तियों के प्रतिरूप को इनके मकानों तथा मकानों के बीच मार्गों की स्थिति के क्रम एवं व्यवस्था के अनुसार निश्चित किया जाता है।
- भारतीय ग्रामों के कच्चे रास्ते, सड़कें तथा धार्मिक स्थल ग्राम की संरचना से घनिष्ट रूप से जुड़े मिलते हैं।
- भारत के ग्रामीण बस्तियों के प्रतिरूपों को निम्नलिखित वर्गों में रखा गया हैं।

Dr. Rina Kumari

रेखीय प्रतिरूप
(Linear Pattern)

- किसी सड़क, रेल, नदी अथवा नहर के किनारे-किनारे बसे हुए मकानों की बस्तियां रेखीय प्रतिरूप की होती हैं।
- इसमें गृह दूर-दूर न होकर एक दूसरे के समीप आमने-सामने द्वार वाले होते हैं।
- ऐसी बस्तियों को रिबन प्रतिरूप (Ribbon Pattern), डोरी प्रतिरूप (String Pattern) या लम्बाकार प्रतिरूप (Elongated Pattern) भी कहते हैं।

Dr. Rina Kumari

वितरण

8:37
gdcollegebegusarai.com/cou

Dr. Rina Kumari

वितरण

भारत में कश्मीर घाटी, देहरादून जिले की दून घाटी (म ं शिवालिक पहाड़ियों के मध्य), ओडिशा के सागर तटीय प्रदेशों क संथाल परगना, आन्ध्र प्रदेश के पूर्वी भाग नेल्लोर जिले, गुजरात के सौराष्ट्र व कच्छ क्षेत्रों में, दक्षिण भारत में पूर्वी तमिलनाडु तट पर ऐसी बस्तियां देखने को मिलती हैं।

Dr. Rina Kumari

चौक पट्टी प्रतिरूप

(Checker Board Pattern)

मैदानों में दो मार्गों के क्रॉस (Cross) पर जो गांव बसने आरम्भ होते हैं, उन गांवों की गलियां, मार्गों के साथ मेल खाती आयताकार प्रतिरूप (Rectangular Pattern) में बनने लगती है जो परस्पर लम्बवत् (समकोण पर) व समानान्तर होती है।

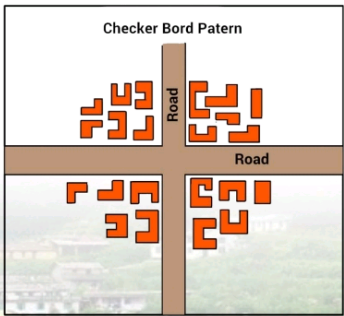

Dr. Rina Kumari

वितरण

8:37
gdcollegebegusarai.com/cou

Dr. Rina Kumari

वितरण

उत्तरी भारत (मैदानी भागों में) कर्नाटक व दक्षिणी आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु राज्यों में, गंगा-यमुना दोआब के ऊपरी भाग में, प. उत्तर प्रदेश के मेरठ जनपद में अहसेनी, परतारपुर, खेड़ीखास, दो तार इत्यादि गांव मार्गों के चौराहों पर बसे हैं।

Dr. Rina Kumari

अरीय या त्रिज्या प्रतिरूप (Radial Pattern)

- इस प्रतिरूप के गांवों में कई ओर से कच्चे अथवा पक्के सड़क मार्ग आकर मिलते हैं या उस गांव से बाहर अन्य गांवों के लिये कई दिशाओं को मार्ग जाते हैं।
- मार्गों का मिलन स्थल ग्रामीण बस्तियों का केन्द्र होता है तथा केन्द्र से बाहर इन मार्गों के दोनों ओर मकानों की बसावट मिलती है।
- सामान्यतया केन्द्रीय भाग की ओर बस्तियों की सघनता मिलती है जबकि बाहर की ओर बस्तियों की विरलता मिलती जाती है।

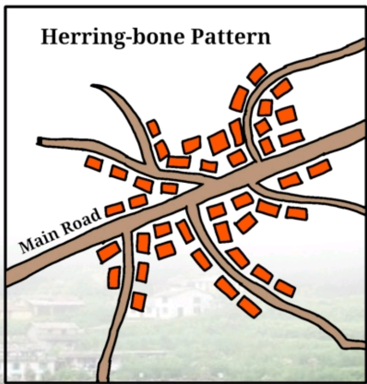

Dr. Rina Kumari

वितरण

8:38
gdcollegebegusarai.com/cou

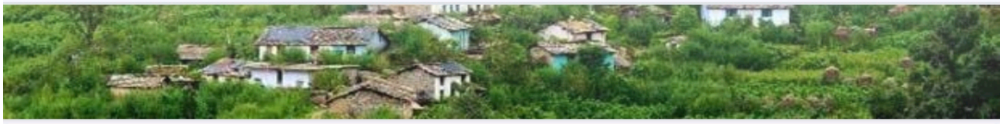

Dr. Rina Kumari

वितरण

- भारत में ऊपरी-गंगा मैदान, पूर्वी राजस्थान, तमिलनाडु, बिहार, मध्य प्रदेश और हरियाणा में इस प्रकार के गांव प्रत्येक जिले में मौजूद हैं।

Dr. Rina Kumari

वृत्ताकार प्रतिरूप (Circular Pattern)

- ग्रामीण बस्तियों का यह प्रतिरूप किसी झील, तालाब, किले या बटवृक्ष के चारों ओर बसे ग्रामीण बस्तियों के फलस्वरूप निर्मित होता है।

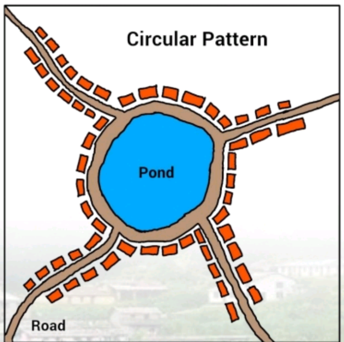

Dr. Rina Kumari

ये बस्तियां मुख्यत: दो प्रकार के होते हैं।

Nucleated Patter

8:38
4G
gdcollegebegusarai.com/cou
2

ये बस्तियां मुख्यत: दो प्रकार के होते हैं।

Dr. Rina Kumari

(i) न्याष्टिक (nucleated) बस्ती

ऐसी बस्ती का केन्द्र किसी मुखिया के घर से जुड़ा होता है।

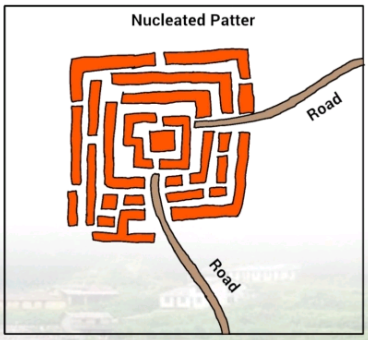

11-12 / 23

(ii) निहारिकीय (nebular) बस्ती

Dr. Rina Kumari

ऐसी बस्ती के मध्य में चौपाल, पंचायत घर बटवृक्ष या देव पूजा-स्थान होता है।

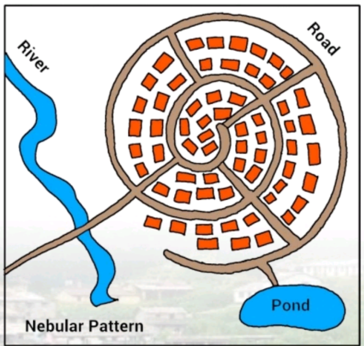

8:38 4G
gdcollegebegusarai.com/cou 2

Department of Geography G. D. C. Begusarai
Dr. Rina Kumari

वितरण

ऊपरी गंगा-यमुना दोआब, ट्रांस यमुना क्षेत्र, मध्य प्रदेश, पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र के कुछ भागों, उत्तर प्रदेश के नैनीताल जिले में, बिहार में सारण जिले के गोढ़िनी व पोखरा, शाहाबाद जिले का बड़ावान गांव आदि में बस्तियों का यह प्रतिरूप मिलता है।

Department of Geography G. D. C. Begusarai
Dr. Rina Kumari

त्रिभुजाकार प्रतिरूप (Triangular Pattern)

- जब कोई सड़क या नहर दूसरी सड़क या नहर से मिलती है परन्तु उसको पार नहीं करती ऐसे स्थान पर त्रिभुजाकार प्रतिरूप का विकास होता है।
- ग्रामीण बस्तियों का त्रिभुजाकार प्रतिरूप मुख्य रूप से ऐसे भूभागों पर विकसित होते हैं जहां ग्रामीण बस्ती दो नदियों के संगम पर स्थापित हो जाती है तथा मकानों का बसाव दोनों नदियों के मध्य-स्थित भूभाग पर अन्दर की ओर त्रिभुजाकार प्रतिरूप में विकसित हो जाता है।

13-14 / 23

Department of Geography G. D. C. Begusarai
Dr. Rina Kumari

वितरण

8:38
gdcollegebegusarai.com/cou

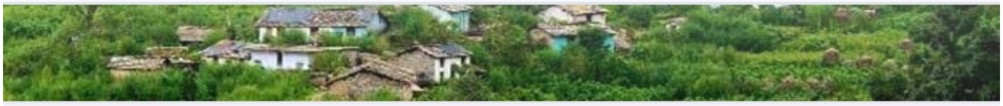

Dr. Rina Kumari

वितरण

भारत के पंजाब तथा हरियाणा राज्यों में ऐसी बस्तियां मिलती है।

Dr. Rina Kumari

चौकोर प्रतिरूप (Block Pattern)

- इस प्रकार के ग्रामीण बस्तियों के मध्य में खुली आयताकार भूमि छोड़ दी जाती है जिसके चारों ओर मकानों की बसावट मिलती है।
- गांव के बाहर चहारदीवारी भी होती है तथा मकान ऊंचे-ऊंचे होते हैं ताकि रेत के तूफानों, चोरों या डाकुओं और शत्रुओं से सुरक्षा की जा सके।

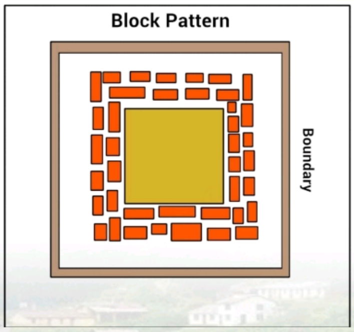

Dr. Rina Kumari

वितरण

8:38
gdcollegebegusarai.com/cou

Dr. Rina Kumari

वितरण

पश्चिमी राजस्थान के मरूस्थलीय भाग, हरियाणा तथा गुजरात में भी इस प्रकार के गांव का प्रतिरूप मिलता है।

Dr. Rina Kumari

एल-आकार प्रतिरूप (L-Shaped Pattern)

वह बसाव-स्थान जहां से रेखीय शक्तियां एक दूसरे से समकोण बनाते हुए मिलती है, वहां पर अंग्रेजी के स् अक्षर जैसा प्रतिरूप बन जाता है।

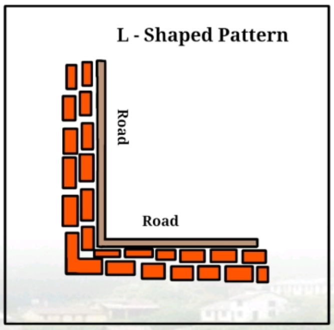

Dr. Rina Kumari

वितरण

8:38
gdcollegebegusarai.com/cou

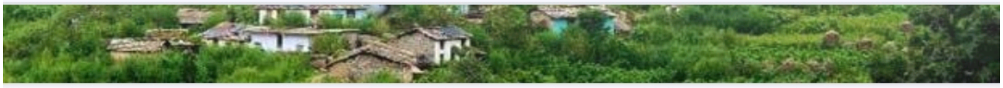

वितरण

- बिहार राज्य में ऐसे अनेक गांव मिलते हैं।
- पटना जिले में दतियाना और मुजफ्फरपुर जिले में नवकढ़ी इसी प्रकार के गांव हैं।

मालानुमा प्रतिरूप (String Pattern)

जब किसी बाढ़ के मैदान या नहर, नदी अथवा सड़क के किनारे-किनारे काफी दूर तक लम्बाई में बस जाते है। तब ऐसा प्रतिरूप माला में पिरोए हुए दानों की तरह लगता है।

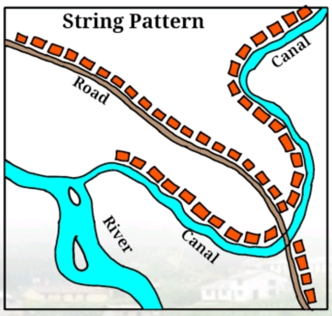

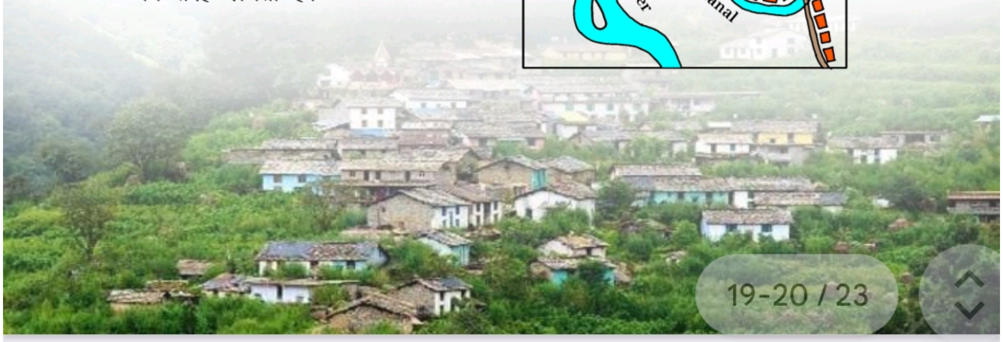

वितरण

8:38
gdcollegebegusarai.com/cou

वितरण

बिहार के सहरसा और पूर्णिया जिलों के बाढ़-प्रभावित नदी तटों पर, दक्षिण-पश्चिम बंगाल, केरल और पश्चिमी तटीय मैदान के पुराने समुद्री किनारों तथा डेल्टाई भाग में नदियों की शाखाओं के किनारे यह प्रतिरूप मिलती हैं।

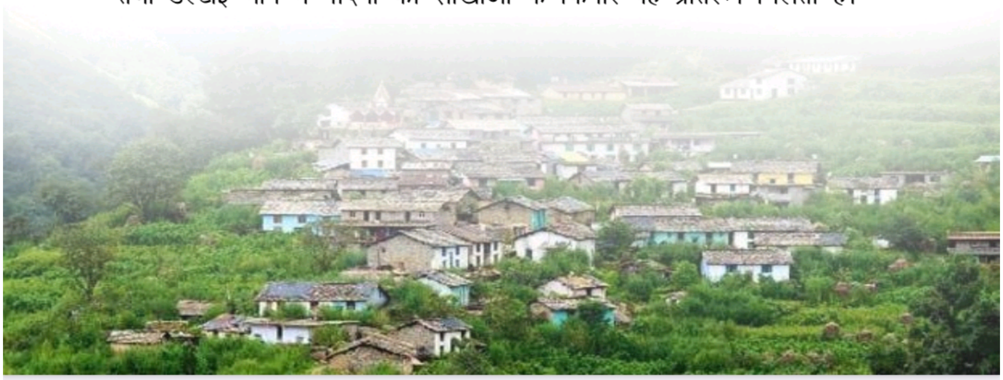

Dr. Rina Kumari

तिरछी सीवन प्रतिरूप (Herring-bone Pattern)

एक प्रमुख सड़क पर मिलने वाली कई उप-सड़कों के विकट मोड़ पर मिल जाने से यह प्रतिरूप बनाता है जिसपर मकान का बसावट होती है।

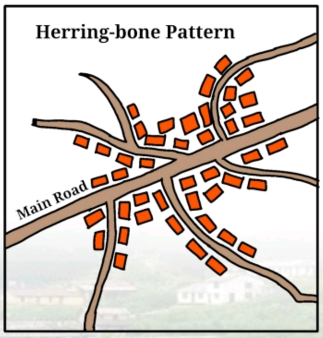

वितरण

बिहार के मुंगेर जिले का जलालाबाद गांव इसी प्रकार का गांव है।

21-22 / 23

8:38 4G
gdcollegebegusarai.com/cou
2

तिरछी सीवन प्रतिरूप (Herring-bone Pattern)

Dr. Rina Kumari

एक प्रमुख सड़क पर मिलने वाली कई उप-सड़कों के विकट मोड़ पर मिल जाने से यह प्रतिरूप बनाता है जिसपर मकान का बसावट होती है।

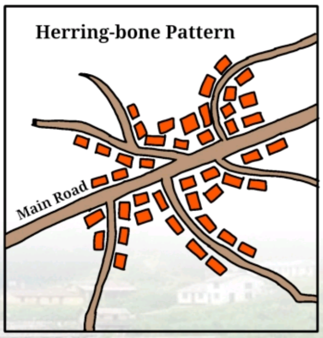

वितरण

Dr. Rina Kumari

बिहार के मुंगेर जिले का जलालाबाद गांव इसी प्रकार का गांव है।

CONTINUE.....